गुरू दे द्वारे उत्ते खड़ी झोली अड़ के

गुरू दे द्वारे उत्ते खड़ी झोली अड़ के,
गुरु जी ने खैर पाई मेरी बांह फड़ के,
मेहर दा हाथ सिर धारियां नि मैनु नशा नाम दा चढ़या नि,

गुरु प्यारे मेरे दिल विच वसदे,
दिल लूट लेंदे जदो होले होले हसदे,
ऐसा जद्दू भरियाँ नि मैनु नशा नाम दा चढ़या नि,

गुरु चरना दे विच मथा जदो टेकेया,
नूरी अँखियाँ ने जदो मेरे वल देखियाँ,
तन मन मेरा ठरिया नि मैनु नशा नाम दा चढ़या नि,

गुरू दे द्वारे उत्ते खड़ी झोली अड़ के,
गुरु जी ने खैर पाई मेरी बांह फड़ के,
मेहर दा हाथ सिर धरया नि,
मैनु नशा नाम दा चढ़या नि,

गुरु मेरे ने किता एह कमाल जी,
शेषणशा बनाया मैं ता युगा तो कंगाल जी,
रज रज दर्शन करिया नि,
मैनु नशा नाम दा चढ़या नि,

गुरू दे द्वारे उत्ते खड़ी झोली अड़ के,
गुरु जी ने खैर पाई मेरी बांह फड़ के,
मेहर दा हाथ सिर धरया नि,
मैनु नशा नाम दा चढ़या नि,

Source:
https://www.bharattemples.com/guru-de-daware-ute-khadi-jholi-ad-ke-guru-ji-ne-khair-paai-meri-baah-fad-ke/

Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw